Total No. of Printed Pages : 4] Roll No. .....

BASL - 101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

कला में स्नातक (बीए-12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

नोट: यह प्रश्न-पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। शिक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गुढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला अपि सूर्यकान्ता-
स्तेजोऽन्यतेजो भिभवात् वमन्ति।।

(ख) पातुं न प्रथमं व्यवस्यथति जलं युष्माष्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्ड नापिभावता स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(ग) भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमैः

नवाम्बुभिर्दूर विलम्बिनो घनाः।

अनुद्धता सत्पुरुषाः समृद्धिभिः

स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

2. श्लेष अलंकार को भेद सहित सोदाहरण लिखिए।

3. ''तत्र श्लोक चतुष्टयम्'' इस सूक्ति पर निबन्ध लिखिए।

4. महाकवि कालिदास का जीवन वृत्त लिखकर उनकी काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. यमक अलंकार को सेदाहरण परिभाषित कीजिए।

2. त्रोटक छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

3. नाट्य साहित्य के उद्भव व विकास पर लेख लिखिए।

4. ''हारादिवत् अलङ्काराः'' सूक्ति पर टिप्पणी लिखिए।

5. विभावना अलंकार को सोदाहरण लिखिए।

6. शिखारिणी छन्द को लक्षण एवं उदाहरण सहित लिखिए।

7. अभिज्ञान शाकुन्तलम् की कथावस्तु का वर्णन कीजिए।

8. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के द्वितीय अंक का कथासार लिखिए।

खण्ड-'ग'
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये है। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य है।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. 'अर्थो हि कन्या परकीय एवं' इति कः वदति?

   (अ) दुष्यन्तः (ब) कण्वः

   (स) माधव्यः (द) सूत्रधारः

2. वर्णसाम्यं भवति

   (अ) यमके (ब) रूपके

   (स) अनुप्रासे (द) सन्देहे

3. आश्रमप्रवेशो नाम अंकः अस्ति

   (अ) प्रथमः (ब) द्वितीयः

   (स) तृतीयः (द) चतुर्थः

4. 'रहस्याख्यायीव स्वनसि' में अलंकार है-

   (अ) रूपक (ब) भ्रान्ति

   (स) उत्प्रेक्षा (द) सन्देह

5. पञ्चमाङ्क का नाम है :

(अ) प्रत्याख्यान (ब) आश्रम निवेश

(स) मिलन (द) कोई नहीं

6. माधव्य: अस्ति

(अ) पुरोहित: (ब) विदूषक:

(स) ऋषि: (द) नायक:

7. 'यमन सभलाग:' लक्षण किस छन्द का है?

(अ) शार्दूल (ब) अनुष्टुप्

(स) मालिनी (द) शिखरिणी

8. चार रगण वाला छन्द है :

(अ) दोधक (ब) वंशस्थ

(स) त्रोटक (द) स्रग्विणी

9. इन्द्रवज्रा व उपेन्द्रवज्रा के योग से बनता है।

(अ) आर्या (ब) उपजाति

(स) भुजङ्गप्रयात (द) सभी

10. 'तभजा जगौ ग:'' किस छन्द का लक्षण है?

(अ) वसन्ततिलका (ब) मन्दाक्रान्ता

(स) मालिनी (द) इन्द्रवज्रा

*****